IIT Indore connects with the top Industries of Indore

IIT Indore, in one of its own kind of initiative, organized **"Corporate and Industry Connect" (CIC)** on August 20, 2022. Around 36 participants from 15 major industries from Indore, Pithampur and nearby areas were invited for the event. This included Volvo Eicher, Force Motors, Case New Holland, Bridgestone, Crompton Greaves, JBM Auto, Rajratan Global Wire, TCS, Pratibha Syntex, EKA Mobility, IMA PG, Eicher Gears, Gufic BioSciences, PAR formulations, and TAFE.

The aim of the connect program was to find common areas of research, discuss problem statements, finding economical & viable solutions and long-term association. Prof. Suhas S Joshi, Director, delivered the welcome address. Prof. Anand Parey, Dean, Alumni & Corporate Relations and Prof. I.A. Palani, Dean, Research & Development were also present during the sessions.

Prof. Joshi in his welcome address said “We have been following the neighbours’ first policy. Accordingly, we have reached out to R&D establishments, academic Institutions in our neighbourhood. We have had brain storming sessions with Raja Ramanna Centre for Advanced Technology (RRCAT), Soyabean Research Institute, Indore, Indian Institute of Forest Management, Bhopal and Central Institute for Agricultural Engineering, Bhopal to undertake projects to provide technological solutions to farmers, and their agricultural related issues, and forest sustainability. As a part of our commitment to the state of Madhya Pradesh, we have recently signed a MoU with Higher Technical Education of Madhya Pradesh to mentor the First Rank students in various branches of engineering from Govt. Engineering Colleges of Madhya Pradesh.” He further said “We have one of the best brains in the country. We would like to give them challenging problems to solve. We are conducting this brainstorming session to know the technological roadmap of your industry and technological challenges likely to be faced. We would also be eager to know how you think IIT Indore would help you in your technological development.”

The invitees were briefed on the R&D activities of the Institute. Three panel discussions in the areas of auto manufacturing, auto parts and pharma, IT & textile were conducted. These had brainstorming sessions in the respective areas. Subsequently, Special Interest Groups (SIG) between the faculty members and industrialist were formed, which would interact at regular intervals to achieve common goals. Around 50 faculty members have shown their interest to collaborate with these industries. IIT Indore is planning to conduct more connect programs with the industries in different areas in the future.

IIT इंदौर ने 20 अगस्त, 2022 को "कॉर्पोरेट एंड इंडस्ट्री कनेक्ट" (CIC) का आयोजन किया। इस आयोजन के लिए इंदौर, पीथमपुर और आसपास के क्षेत्रों के 15 प्रमुख उद्योगों के लगभग 36 प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था। इसमें वोल्वो आयशर, फोर्स मोटर्स, केस न्यू हॉलैंड, ब्रिजस्टोन, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, जेबीएम ऑटो, राजरतन ग्लोबल वायर, टीसीएस, प्रतिभा सिंटेक्स, ईकेए मोबिलिटी, आईएमए पीजी, आयशर गियर्स, गुफिक बायोसाइंसेज, पीएआर फॉर्म्युलेशन और टीएएफई शामिल हैं।

कनेक्ट प्रोग्राम का उद्देश्य अनुसंधान के सामान्य क्षेत्रों को खोजना, समस्या पर चर्चा करना, किफायती और व्यवहार्य समाधान खोजना और दीर्घकालिक सहयोग करना था। प्रो. सुहास एस जोशी, निदेशक, ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. आनंद पारे, डीन, पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध और प्रो. आई.ए. पलानी, डीन, अनुसंधान एवं विकास भी सत्र के दौरान उपस्थित थे।

प्रो. जोशी ने अपने स्वागत भाषण में कहा, "हम पड़ोसियों की पहली नीति का पालन कर रहे हैं। तदनुसार, हमने अपने पड़ोस में अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों से संपर्क किया है। हमने राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आरआरकेट), सोयाबीन रिसर्च इंस्टीट्यूट, इंदौर, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल और सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, भोपाल के साथ किसानों और उनके कृषि संबंधी मुद्दे, और वन स्थिरता को तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया है। मध्य प्रदेश राज्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के एक हिस्से के रूप में, हमने हाल ही में मध्य प्रदेश के उच्च तकनीकी शिक्षा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं में प्रथम रैंक के छात्रों को सलाह देगा।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे पास देश के सबसे अच्छे दिमाग वाले लोग है। हम उन्हें हल करने के लिए चुनौतीपूर्ण समस्याएं देना चाहते हैं। हम आपके उद्योग के तकनीकी रोडमैप और आने वाली संभावित तकनीकी चुनौतियों को जानने के लिए इस विचार-मंथन सत्र का आयोजन कर रहे हैं। हम यह जानने के लिए भी उत्सुक होंगे कि आपको कैसे लगता है कि आईआईटी इंदौर आपके तकनीकी विकास में आपकी मदद करेगा।"

आमंत्रितों को संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। ऑटो मैन्युफैक्चरिंग, ऑटो पार्ट्स और फार्मा, आईटी और टेक्सटाइल के क्षेत्रों में तीन पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। इनमें संबंधित क्षेत्रों में विचार-मंथन सत्र थे। इसके बाद, संकाय सदस्यों और उद्योगपति के बीच विशेष रुचि समूह (एसआईजी) का गठन किया गया, जो सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नियमित अंतराल पर बातचीत करेंगे। लगभग 50 संकाय सदस्यों ने इन उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए अपनी रुचि दिखाई है। IIT इंदौर भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों के साथ और अधिक कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है।